www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 237 | जौनपुर गुरुवार, 17 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ में भीषण आग, 1200 झुग्गियां जलकर खाक, 100 सिलेंडर फटे

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के विकास नगर में आवासीय इलाके से सटी झोपड़पट्टी में आग लगने के दौरान 100 से अधिक सिलेंडरों में ताबड़तोड़ धमाके हुए। इससे आग और विकराल हो गई थी। लपटें करीब 20–30 फीट ऊपर तक उठ रही थी। कालोनी में रहने वाले लोग दहशत के कारण अपने घरों से बाहर सड़कों पर आ गए। कुछ लोगों ने बस्ती से 50 से अधिक गैस सिलेंडर निकालकर पीछे नाले में डाल दिए। करीब 10 किलोमीटर के दायरे में धुएं का गुबार देखा गया। अग्निकांड इतना भीषण था कि लपटों से आसमान लाल हो गया। शाम होने के नाते भी लपटें दूर तक देखी गईं। घंटों चारों तरफ चीख पुकार मची थी। देर रात करीब आठ घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका मुंशीपुलिया से आगे सीतापुर बाईपास किनारे सैकड़ों झुग्गी झोपड़ियां लंबे समय से आबाद थीं। इनमें आसपास के जिलों के सैकड़ों मजदूर व अन्य रोजगार करने वाले परिवार रहते थे। बुधवार शाम करीब 4 बजे एक जगह से फूटी चिनगारी ने देखते ही देखते पूरी बस्ती को चपेट में ले लिया। जब तक पुलिस और फायर विभाग को सूचना मिली तब तक तो आग ने विकराल रूप ले लिया। घरों में रखे रसोई गैस के सिलेंडर फटे तो धमाकों से लोग सहम उठे। आसपास के घर भी आग की चपेट में आ गए।घटनास्थल पर कोहराम मच गया।

देश को राजनीतिक भूकंप के लिए तैयार रहना चाहिए – जयराम रमेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद का विशेष सत्र 16 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इस दौरान 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम पर चर्चा होने वाली है। विपक्ष का कहना है कि इस दौरान तीन विधेयक पेश किए जाएंगे, और वे इसका विरोध करेंगे। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि देश को राजनीतिक भूकंप के लिए तैयार रहना चाहिए। राजनीति कांग्रेस नेता के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, षविपक्ष विशेष रूप से संविधान संशोधन विधेयक को हर संभव तरीके से हराने की कोशिश करेगा। देश को राजनीतिक भूकंप के लिए तैयार रहना चाहिए।इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक को पास करने के लिए 2011 की जनगणना का उपयोग किया जा रहा है, जबकि देश में वर्तमान में जो जाति आधारित जनगणना चल रही है, उसे नजरअंदाज किया जा रहा है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, "जो सरकार अभी प्रस्ताव दे रही है, उसका महिला आरक्षण से कोई लेना–देना नहीं है। यह संशोधन परिसीमन और गेरीमैंडरिंग के जरिए। सत्ता पर कब्जे की कोशिश है।राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस "महिला आरक्षण का पूरी तरह समर्थन करती है"

सैन्य टकराव से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि सैन्य टकराव से समस्याओं का समाधान नहीं निकल सकता। उन्होंने कहा, यूक्रेन हो या वेस्ट एशिया, हम एक स्थिर, टिकाऊ और स्थायी शांति का समर्थन करते हैं। पीएम मोदी का यह बयान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय चर्चा के बाद दिया गया, जिसमें वैश्विक मुद्दों पर भी विस्तार से बातचीत हुई। यह बयान ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है जब मिडिल ईस्ट में तनाव जारी है और यूक्रेन–रूस युद्ध भी लंबे समय से चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा, "चांसलर स्टॉकर, आपकी पहली भारत यात्रा पर मैं आपका हार्दिक स्वागत करता हूं। हमें बहुत खुशी है कि आपने यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुना। ये आपके विजन और भारत–ऑस्ट्रिया संबंधों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चार दशकों के बाद ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष 2026 के ऐतिहासिक भारत–यूरोपीय संघ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंधों में एक नए सुनहरे अध्याय की शुरुआत हुई है। चांसलर स्टॉकर की इस यात्रा से भारत–ऑस्ट्रिया संबंधों को भी एक नए कालखंड में ले जाया जा रहा है।" पीएम मोदी ने कहा कि अवसंरचना, नवाचार और स्थिरता में भारत और ऑस्ट्रिया

भरोसेमंद साझेदार रहे हैं। दिल्ली मेट्रो हो या हिमालय पर 10 हजार फीट की ऊंचाई पर बना अटल टनल, ऑस्ट्रिया की सुरंग निर्माण विशेषज्ञता ने अपनी मजबूत छाप भारत के कई इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स में ऑस्ट्रियन कंपनियां सक्रिय भागीदार रही हैं। उन्होंने कहा कि चांसलर स्टॉकर की यह यात्रा ट्रेड और इनवेस्टमेंट में नई ऊर्जा लाएगी। मुझे खुशी है कि वे बड़े विजन और एक बड़े बिजनेस डेलिगेशन के साथ भारत आए हैं। भारत की स्पीड और स्केल को जोड़कर पूरी दुनिया के लिए विश्वसनीय तकनीक और सप्लाई चेन सुनिश्चित करेंगे। हम डिफेंस, सेमीकंडक्टर, क्वांटम और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में भी अपनी साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे। साथ ही, हम इंजीनियरिंग और टेक्निकल एजुकेशन सहयोग को भी और मजबूत करेंगे। आईआईटी दिल्ली और ऑस्ट्रिया की मोंटान यूनिवर्सिटी के बीच आज साइन किया जा रहा एमओयू इस नॉलेज एक्सचेंज का एक उज्ज्वल उदाहरण है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत का टैलेंट, ऑस्ट्रिया की इनोवेशन और प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने की क्षमता रखता है। 2023 में हमने ऑस्ट्रिया के साथ एक व्यापक माइग्रेशन एंड मोबिलिटी एग्रीमेंट किया था। अब इस एग्रीमेंट के अंतर्गत, हम नर्सिंग सेक्टर में भी मोबिलिटी को आगे बढ़ाएंगे। हम जॉइन्ट रिसर्च और स्टार्टअप सहयोग को भी और मजबूत करेंगे। यूथ एक्सचेंज को प्रमोट करने के लिए, हम आज भारत–ऑस्ट्रिया वर्किंग हॉलिडे प्रोग्राम भी लॉन्च कर रहे हैं। बता दें कि एक ऐसा समझौता है जिसके तहत भारत और ऑस्ट्रिया के युवा एक–दूसरे के देश में कुछ समय के लिए रहकर काम और यात्रा दोनों कर सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरा विश्व एक बहुत ही गंभीर और तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रहा है और इसका प्रभाव हम सभी पर पड़ रहा है। ऐसे तनावपूर्ण वैश्विक माहौल में, भारत और ऑस्ट्रिया हम एकमत हैं कि सैन्य टकराव से समस्याओं का समाधान नहीं निकल सकता। यूक्रेन हो या वेस्ट एशिया, हम एक स्टेबल, सस्टेनबल और स्थायी शांति का समर्थन करते हैं। हम इस बात पर भी एकमत हैं कि बढ़ते ग्लोबल चुनौतियों के समाधान के लिए ग्लोबल इंस्टीट्यूशन का रिफॉर्म अनिवार्य है और आतंकवाद को जड़ से मिटाना हमारी साझी प्रतिबद्धता है। 2024 में मेरी ऑस्ट्रिया की यात्रा भी चार दशकों बाद हुई थी। उस विजिट के बाद आज ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर का भारत में स्वागत करना हमारे लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पीड़ित परिवारों के प्रति व्यक्त संवेदना की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में गुरुवार को हुई दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस हादसे में कुछ लोगों की मौत हो गई और बहुत से लोग घायल बताए जा रहे हैं। राष्ट्रपति उन्होंने उन लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और

घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, "आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में एक सड़क दुर्घटना में लोगों की जान जाने की दुखद खबर बहुत ही कष्टदायक है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।" उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भी कुरनूल में हुई सड़क दुर्घटना पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, "आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हुई दुखद सड़क दुर्घटना से मैं बहुत आहत हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।" लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, "आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की और इस कठिन समय में प्रभावित सभी लोगों को शक्ति मिलने की प्रार्थना करता हूं।

भारत चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल, संसद ने जताया वैज्ञानिकों का आभार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की वैज्ञानिक प्रगति और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी आज गुरुवार को संसद में रखी गई। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदन को बताया कि 6 अप्रैल 2026 को तमिलनाडु के कल्पक्कम में भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। देश के 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने पहली बार क्रिटिकलिटी प्राप्त कर ली है। इसका अर्थ है कि रिएक्टर में नियंत्रित और सतत परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया सफलतापूर्वक शुरू हो गई है। सदन को अवगत कराते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल

तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि दो दशकों से अधिक समय तक वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्योगों और परमाणु ऊर्जा विभाग के हजारों कर्मियों के सतत प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि भारत के परमाणु ऊर्जा मिशन को मजबूती देने के साथ ही वर्ष नेट–जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। सदन में बताया गया कि इस रिएक्टर का कोर लोडिंग मार्च 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में किया गया था। भारत की परमाणु नीति तीन चरणों पर आधारित है, जिसका उद्देश्य सीमित यूरेनियम संसाधनों और प्रचुर थोरियम भंडार का अधिकतम उपयोग करना है। पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग कर प्रेसराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर के माध्यम से प्लूटोनियम तैयार किया जाता है। दूसरे चरण में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के जरिए प्लूटोनियम से अधिक परमाणु ईंधन उत्पन्न किया जाएगा। इस तकनीक की खासियत यह है कि यह जितना ईंधन खर्च करता है, उससे अधिक पैदा भी कर सकता है। तीसरे चरण में थोरियम आधारित रिएक्टर विकसित किए जाएंगे, जिससे दीर्घकालिक और टिकाऊ ऊर्जा भविष्य सुनिश्चित होगा। सदन को यह भी बताया गया कि दिसंबर 2025 में पारित परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित कानून के माध्यम से इस क्षेत्र को व्यापक भागीदारी के लिए खोला गया है।

परिसीमन बिल पर घमासान, विपक्ष के सवालों पर अमित शाह का सपा पर तीखा हमला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा के विशेष सत्र में गुरुवार को केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने परिसीमन बिल, 2026 पेश किया। इस बिल का उद्देश्य लोकसभा में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए सीटों का पुनर्निर्धारण करना, विधानसभा सीटों की संख्या तय करना और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को चुनावी क्षेत्रों में बांटना है। जैसे ही बिल सदन में पेश हुआ, विपक्ष ने इसका कड़ा विरोध शुरू कर दिया। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने सबसे पहले विरोध जताया, जिसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। इससे पहले सत्र की शुरुआत में सदन ने प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त किया।

परिसीमन बिल को लेकर समाजवादी पार्टी ने भी कड़ा रुख अपनाया। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि संसद को संविधान की रक्षा करने की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन यह बिल संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन को जनगणना से अलग करना गलत है और इससे संवैधानिक ढांचा प्रभावित होगा। धर्मेंद्र यादव ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी महिलाओं के हित में हमेशा आगे रही है और सरकार से मांग की कि इस संविधान संशोधन और परिसीमन बिल को वापस लिया जाए। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हुए सरकार से सवाल किया कि इतनी जल्दबाजी क्यों की जा रही है। उन्होंने पूछा कि सरकार जनगणना क्यों नहीं करा रही है। इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जवाब देते हुए कहा कि जनगणना का काम शुरू हो चुका है। अमित शाह ने धर्मेंद्र यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे यह कह रहे हैं कि इसमें कॉलम नहीं है, जबकि उन्हें समझना चाहिए कि फिलहाल घरों की गिनती हो रही है, न कि उनकी जाति की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर समाजवादी पार्टी को मौका मिले, तो वह घरों की भी जाति तय कर दे। केंद्रीय गृहमंत्री ने यह भी कहा कि धर्मेंद्र यादव द्वारा मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की बात करना असंवैधानिक है, क्योंकि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं है।

नर्मदा नहर का पानी अब मेहसाणा के खेतों तक, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बताया विकास का नया अध्याय

मेहसाणा, (एजेंसी)। मेहसाणा जिले के खेतों तक नर्मदा नहर सिंचाई का पहुंचना और पूरे गुजरात में चल रहा इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार, बुधवार को जनसभाओं में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के संबोधन का मुख्य केंद्र रहा। स्थानीय स्व–शासन चुनावों से पहले आयोजित शविकास संकल्प सभाओंश को संबोधित करते हुए, पटेल ने कहा कि खेतों तक सिंचाई के पानी का विस्तार उस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव है, जिसे पहले भूजल की कमी का सामना करना पड़ता था।उन्होंने कहा, ष्नर्मदा नहरों ने आज मेहसाणा जिले के खेतों तक पानी पहुंचाया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प का परिणाम है।ष उन्होंने याद दिलाया कि इस क्षेत्र को कभी श्डार्क जोनश (अंधेरा क्षेत्र) के रूप में वर्गीकृत किया गया था, जहां बोरवेल के लिए अनुमति प्रतिबंधित थी। गुजरात की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, पटेल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य के वित्तीय आवंटन में काफी वृद्धि हुई है।उन्होंने यह भी बताया कि किसानों को ट्रैक्टर खरीदने के

लिए 1 लाख रुपए तक की सब्सिडी मिल रही है। जल संरक्षण के विषय पर, उन्होंने कहा कि सरकार के श्कैच द रेनश (वर्षा जल संचयन) अभियान के तहत, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक विधायक को 50 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में, उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत कार्ड 10 लाख रुपए तक का कैशलेस उपचार कवरेज प्रदान करते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा– सुनिश्चित होगी समानता, किसी भी राज्य को नुकसान नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सदन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने महिलाओं के सशक्तिकरण की अहमियत को रेखांकित किया और बीआर अंबेडकर के विचारों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, "मैं किसी समाज की प्रगति का आकलन इस बात से करता हूं कि वहां महिलाओं ने कितनी तरक्की की है।" उन्होंने कहा कि इसी सोच के साथ विधायी संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण देना जरूरी है। मेघवाल ने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के विचारों का भी जिक्र किया और बताया कि महिलाओं को 33 प्रतिशत

आरक्षण देने की बात लंबे समय से कही जा रही थी। उन्होंने कहा, "अब्दुल कलाम ने भी कहा था कि 33 फीसदी सीटों का आवंटन तय है, बस समय की बात है और अब वह समय आ गया है।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया। विधेयक के प्रावधानों की जानकारी देते हुए अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में बड़ा इजाफा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदन की कुल क्षमता 50 प्रतिशत बढ़ाकर 815 सीटें कर दी जाएंगी, जिनमें से 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। यह संख्या कुल सीटों का एक–तिहाई हिस्सा होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून के तहत इन प्रावधानों को 2026 के बाद होने वाली जनगणना और परिसीमन के आधार पर लागू किया जाएगा। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि इससे पुरुष सांसदों या किसी भी राज्य की मौजूदा सीटों पर कोई असर नहीं पड़ेगा और उनकी स्थिति बनी रहेगी।

संसद में पेश होंगे महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े तीन विधेयक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार आज गुरुवार को संसद के विशेष सत्र में देश में अहम बदलाव लाने वाले विधेयक पेश करेगी। यह विधेयक महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव से प्रभावी रूप से लागू करने और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से संबंधित हैं। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 शामिल हैं। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 महत्वपूर्ण विधायी प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण (33 प्रतिशत) को लागू करने के लिए परिसीमन प्रक्रिया को सक्रिय

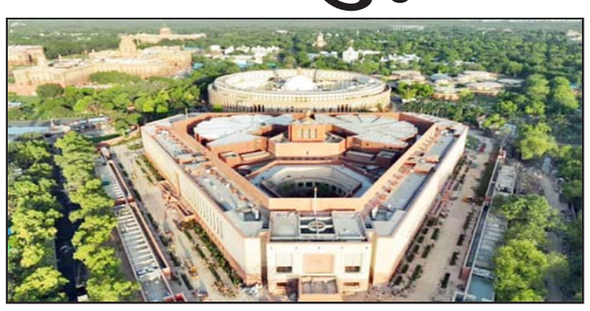

करना है। सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन पारित करने के लिए 16, 17 और 18 अप्रैल को विशेष सत्र बुलाया है। सरकार का उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम (2023) को अतिशीघ्र अमली जामा पहनाना है। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण का प्राविधान किया गया है। संभव है कि विपक्ष महिला आरक्षण का विरोध न करे। लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं की सीटों में बढ़ोतरी के लिए परिसीमन के प्रस्ताव पर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव होना तय माना जा रहा है। दक्षिण के राज्यों को आशंका है कि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन के कारण नए परिसीमन में उनकी लोकसभा सीटें घट सकती हैं। सरकार ने इस आशंका को पूरी तरह खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि सीटों की बढ़ोतरी हर राज्य के लिए एक समान 50 प्रतिशत होगी। लोकसभा में सीटों की अधिकतम सीमा 850 तय की गई है और किसी भी राज्य की सीटों में कटौती का सवाल ही नहीं उठता। सरकार ने कहा कि 1976 के बाद से लोकसभा सीटों में बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए स्पष्ट और नया परिसीमन समय की सबसे बड़ी मांग है। परिसीमन प्रक्रिया आखिरी प्रकाशित जनगणना (2011) के आधार पर पूरी की जाएगी। राज्यों के लिए सीटों की संख्या तय नहीं है।

संपादकीय

बच्चों को गहरा नुकसान

कोर्ट ने पाया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके संभावित दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म पर जानबूझ कर ऐसी तकनीकी व्यवस्था की है, जिससे यूजर्स को उन पर बने रहने की लत लग जाती है। खासकर बच्चों को इससे गहरा नुकसान हो रहा है। अमेरिका में कैलिफोर्निया की एक अदालत ने पिछले हफ्ते इस संबंध में एक दूरगामी महत्त्व का फैसला दिया। उसमें सोशल मीडिया कंपनियों मेटा (इंस्टाग्राम) और गूगल (यूट्यूब) को बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य हानि पहुंचाने का दोषी ठहराया गया। कोर्ट ने पाया कि इन प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन (लत डालने वाले) फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके हो सकने वाले दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने कोई पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन कंपनियों पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। यह फैसला एक 20 वर्षीय महिला की याचिका पर आया, जिसने बताया कि बचपन से ही इंस्टाग्राम और यूट्यूब के उपयोग ने उसके जीवन पर खराब असर डाला और उसकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ाईं। इस फैसले को सोशल मीडिया कंपनियों के लिए पहला बड़ा कानूनी झटका माना गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अब मेटा और गूगल जैसी कंपनियों पर अपने प्लेटफॉर्म डिजाइन बदलने और उन्हें बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए दबाव बढ़ेगा। मगर ये बात अमेरिका के अंदर की है। बाहर में जब कभी किसी देश ने इन कंपनियों पर लगाम लगाने की कोशिश की है, अमेरिका सरकार अपनी कंपनियों के बचाव में आ खड़ी हुई है। डॉनल्ड ट्रंप के शासनकाल में यह प्रवृत्ति अधिक आक्रामक नजर आई है। विनियमन की यूरोपियन यूनियन की कोशिश के खिलाफ ट्रंप खुद मोर्चा संभाले रहे हैं। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच रोकने के ठोस कदम उठाए हैं। भारत में भी ऐसी चर्चा हाल में तेज हुई है। कर्नाटक सरकार ने इस दिशा में पहल की है। मगर जब ऐसा कदम केंद्र के स्तर पर नहीं उठाया जाता, उसके प्रभावी होने की संभावना नहीं है। अतरू नरेंद्र मोदी सरकार को कम–से–कम इस मामले में अमेरिकी दबाव की परवाह ना करते हुए ठोस वैधानिक पहल करनी चाहिए। बच्चों को सिर्फ कंज्यूमर समझने वाली कंपनियों को विनियमित करने की अति–आवश्यकता है।

भारत की जनगणना 2027 बदलते भारत की नई कहानी

रमेश जायभाये,

क्या आपने कभी सोचा है कि आपके घर की छोटी–सी जानकारीकृजैसे पानी, बिजली या परिवार के सदस्यों का विवरणकृदेश के विकास में कितना बड़ा योगदान दे सकती है? दरअसल, हर नागरिक की दी गई जानकारी मिलकर ही भारत के भविष्य की दिशा तय करती है। इसी कड़ी में वर्ष 2027 की जनगणना एक खास पड़ाव बनने जा रही है। यह केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि बदलते भारत की एक नई कहानी हैकृएक ऐसी कहानी जिसमें हर नागरिक की भागीदारी है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल अंदाज में होगी, जो इसे पहले की सभी जनगणनाओं से अलग और अधिक आधुनिक बनाती है। छत्तीसगढ़ में इस महाअभियान को लेकर तैयारियाँ तेजी से पूरी की जा रही हैं। वातावरण ऐसा है मानो कोई बड़ा जनउत्सव आने वाला होकृऔर वास्तव में, यह एक ऐसा अभियान है जिसमें हर व्यक्ति की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। कहानी शुरू होती है इतिहास सेज भारत में जनगणना की शुरुआत 1872 में हुई थी और 1881 से इसे पूरे देश में व्यवस्थित रूप से लागू किया गया। स्वतंत्रता के बाद 1951 में पहली जनगणना आयोजित हुई, जिसने देश के विकास की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई। अब वर्ष 2027 की जनगणना इस ऐतिहासिक यात्रा का आधुनिक रूप है। यह न केवल देश की वर्तमान स्थिति का आकलन करेगी, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी तैयार करेगी। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगीकृपहला चरण अप्रैल–मई 2026 में और दूसरा फरवरी–मार्च 2027 में आयोजित किया जाएगा। राज्य के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 (रात 12 बजे) निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। अब आपकी बारीरू खुद करें अपनी जनगणना! इस बार जनगणना की सबसे रोचक और उपयोगी सुविधा हैकृस्व–गणना । अब आप स्वयं अपने घर और परिवार की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। आपसे परिवार के सदस्यों की संख्या, उनकी आयु, शिक्षा, व्यवसाय और घर की सुविधाओं से जुड़े कुछ सरल प्रश्न पूछे जाएंगे। पूरी जानकारी भरने के बाद आपको एक एसई आईडी प्राप्त होगी। जब प्रगणक आपके घर आएंगे, तो केवल यह पहचान दिखानी होगी और आपकी जानकारी सत्यापित कर ली जाएगीकृयानी बार–बार जानकारी देने की आवश्यकता नहीं होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जनगणना के दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं होती। आप जो जानकारी देंगे, वही दर्ज की जाएगी। स्व–गणना के प्रति लोगों का रुझान भी तेजी से बढ़ रहा हैकृदेशभर में लाखों परिवार इस सुविधा का उपयोग कर चुके हैं, जो इस डिजिटल पहल की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है। स्मार्ट तकनीक, सटीक आंकड़े और भरोसेमंद प्रक्रिया इस बार जनगणना पूरी तरह तकनीक के सहारे संचालित होगी। प्रगणक मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा दर्ज करेंगे, जिससे काम तेज और अधिक सटीक होगा। साथ ही, आधुनिक जीआईएस आधारित डिजिटल मैपिंग का उपयोग कर हर क्षेत्र और गणना ब्लॉक को स्पष्ट रूप से चिन्हित किया जा रहा है, ताकि कोई भी घर या व्यक्ति छूट न जाए। डेटा के बेहतर प्रबंधन और निगरानी के लिए उन्नत डिजिटल सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रहती है। एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, इस बार जाति संबंधी आंकड़ों का भी समावेश किया जाएगा, जो दशकों बाद समाज की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करेगा। जनगणना में समाज के हर वर्ग को शामिल करने का विशेष ध्यान रखा जाता है। इसी के तहत बेघर व्यक्तियों की गणना भी अलग से, विशेष अभियान के माध्यम से की जाती है, ताकि कोई भी नागरिक इस प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। और जहाँ तक आपकी जानकारी की सुरक्षा का सवाल हैकृयह पूरी तरह गोपनीय रहती है। इसे किसी अन्य विभाग या एजेंसी के साथ साझा नहीं किया जाता। छत्तीसगढ़ तैयार, अब आपकी भागीदारी जरूरी छत्तीसगढ़ में इस अभियान के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियाँ की गई हैं। शहरों से लेकर गाँवों तक, हर क्षेत्र में जनगणना टीम सक्रिय रहेगी, ताकि कोई भी परिवार छूट न जाए।

बिहार में संभावनाएं विकास की अब सत्ता सम्राट की

ललित

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार–चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरु हो रहा है, सम्राट के भरोसे से।राजनीति सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ–साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति–ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो।बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ–साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून–व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ।नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई–टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है।

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

उमेश

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू–कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। 'द कश्मीर फाइल्स' नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे 'अर्बन नक्सल' कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था। नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं। तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा। 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है। मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खासा पढ़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी रहती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संस्थानों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाने लगता है, उसे पूजा–पाठ दकियानूसी लगने लगता है। हालांकि अल्पसंख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक कलाप उसे प्रगतिशीलता की निशानी लगने लगते हैं। इस तरह समाज के बीच वे अपनी वैचारिक धारा को बनाए रखने के जतन में जुटे रहते हैं। जंगलों, खेतों–खलिहानों और आदिवासी इलाकों में खून की होली खेलने, रेल की पटरियां उड़ाने, स्कूलों को उड़ाने वाली खूनी नक्सली और माओवादी विचारधारा के समर्थक और नेतृत्वकर्ता भले ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई और समानांतर चलाई गई विकास योजनाओं के चलते खत्म हो गए ।

भारत में नोएडा से औद्योगिक अशांति, दिल्ली–एनसीआर के कई राज्यों में फैली

डॉ. ज्ञान

नोएडा के फेज–2 में प्रदर्शन हिंसक हो गया, और एक पुलिस वैन और दूसरी गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई, जहां कई औद्योगिक इकाइयों के कामगार दोपहर के आसपास वेतन बढ़ाने और दूसरे फायदों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बाद विरोध प्रदर्शन नोएडा के दूसरे हिस्सों में फैल गये। प्रदर्शन की वजह से सुबह से ही ट्रैफिक पर असर पड़ा है। जैसे–जैसे भारत सरकार धीरे–धीरे नयी श्रम संहिताओं के नियमों को लागू कर रही है, भारतीय कामगारों में तनाव बढ़ता जा रहा है। सरकार ने 1 अप्रैल, 2026 से इसे पूरी तरह लागू करने के अपने इरादे की घोषणा की थी, और अब 13 अप्रैल, 2026 को उत्तर प्रदेश के नोएडा में औद्योगिक अशांति शुरू हो गई, जो शीघ्र ही दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में फैल गई, जिसमें हरियाणा के फरीदाबाद और मानेसर (गुरुग्राम), राजस्थान के भिवाड़ी, दिल्ली और कई दूसरी जगहें शामिल हैं। औद्योगिक इलाकों में न सिर्फ न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे मजदूरों ने सड़कें जाम कीं, बल्कि हिंसा, गाड़ियों में आग लगाना, पुलिस के साथ झड़प, पत्थरबाजी, फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की। उसके बाद भारी पुलिस बल की तैनाती भी हुई, जिन्होंने कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए लाठीचार्ज और बल का भी इस्तेमाल किया। पुलिस ने कहा कि वह स्थिति को काबू में रखने के लिए कम से कम बल का इस्तेमाल कर रही है।नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को मजदूरों को भड़काने की कोशिश कर रहे श्असामाजिकश तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सचेत किया है कि लोगों को श्लगभग खत्म हो चुके नक्सलवाद को फिर से जिंदा करने की साजिशश से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा, श्मजदूरों के नाम पर उपद्रव करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और औद्योगिक इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए।श राज्य के श्रम विभाग को स्थानीय अधिकारियों और औद्योगिक इकाइयों से बातचीत करने के लिए कहा गया है।हालांकि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा है कि हर मजदूर को सम्मानजनक वेतन, काम करने का सुरक्षित माहौल और मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों से श्रम कानूनों का पालन करने और मजदूरों द्वारा उठाए गए मुद्दों को सुलझाने के लिए कहा। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने कहा कि पुलिस उन लोगों की पहचान कर रही है जिन्होंने नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर हिंसा भड़काई थी, और चेतावनी दी कि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अशांति में शामिल श्भड़काऊ तत्वोंश और श्बाहरी तत्वोंश का पता लगाया जा रहा है।उत्तर प्रदेश एटीएस ने फैक्टरी कामगारों के विरोध प्रदर्शन से संभावित घुसपैठ के सूत्रों की जांच शुरू कर दी है। एटीएस यह जांच कर रही है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान आगजनी का तरीका, खासकर जिस तरह से गाड़ियों में आग लगाई गई, क्या पाकिस्तानी आकाओं के इशारे पर अशांति भड़काने के लिए इस्तेमाल किए गए तरीकों से मेल खाता है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नोएडा में कामगारों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए भाजपा सरकार की श्एकतरफा नीतिश को जिम्मेदार ठहराया है, और आरोप लगाया है कि सरकार पूंजीपतियों का पक्ष लेती है जबकि वेतनभोगी कर्मचारियों और मजदूरों को नजरअंदाज करती है। उन्होंने कहा कि वेतन बढ़ाने को लेकर आंदोलन उन नीतियों की वजह से उग्र हो गया है जो श्पूंजीपतियों को बढ़ावा देती हैं लेकिन कामगारों का शोषण करती हैंश।उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने स्थिति को ठीक से न संभालने के लिए सरकार की आलोचना की और कहा कि नोएडा में मदरसन कंपनी के बाहर के विजुअल श्परेशान करने वालेश थे। अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, श्जब महंगाई लोगों की कमर तोड़ रही है और वेतन के नाम पर कामगारों का शोषण हो रहा है, तो युवा सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।श उन्होंने यह भी कहा, श्विज्ञापनों से खाली पेट नहीं भर सकते। आंसू गैस के गोले भूख मिटा नहीं सकते। वर्कर्स की जायज मांगों को नजरअंदाज करना बंद करें और दमन का सहारा लेने के बजाय हल निकालें।श्ध्यान देने वाली बात यह है कि बेहतर वेतन के लिए आन्दोलन कर रहे मदरसन के सैंकड़ों कामगार फैक्टरी के अंदर घुस गए और वरिष्ठ अधिकारियों को वहां से बाहर नहीं जाने दे रहे थे। नोएडा के फेज–2 में प्रदर्शन हिंसक हो गया, और एक पुलिस वैन और दूसरी गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई, जहां कई औद्योगिक इकाइयों के कामगार दोपहर के आसपास वेतन बढ़ाने और दूसरे फायदों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बाद विरोध प्रदर्शन नोएडा के दूसरे हिस्सों में फैल गये। प्रदर्शन की वजह से सुबह से ही ट्रैफिक पर असर पड़ा है। कामगर पिछले कई दिनों से वेतन बढ़ाने और काम करने के बेहतर हालात की मांग को लेकर आन्दोलन कर रहे थे, और उन्हें जो भरोसा दिया गया था, उसे पूरा नहीं किया गया।

शाही विरासत का नया रूप, लखनऊ में सजी मेहरुनिसा की प्रदर्शनी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शहर में शाही अंदाज और आधुनिक सोच का अनूठा मेल देखने को मिलेगा। "मेहरुनिसा बाय शमिता" अपनी खास ज्वेलरी प्रदर्शनी लेकर आ रही हैं। 17 और 18 अप्रैल को जोपलिंग रोड स्थित फॉर्चयून होटल में आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी में विरासत को आधुनिकता का संगम देखने को मिलेगा। इसमें पुराने राजसी डिजाइनों को नए रूप में पेश किया गया है। मेहरुनिसा की फाउंडर और डिजाइनर शमिता शर्मा ने 30 साल पहले इस ब्रांड की स्थापना की थी। उनका मुख्य फोकस ट्रेडिशनल पोल्की और जड़ाऊ ज्वेलरी को दोबारा नये अंदाज में लोगों के बीच प्रचलित करना है। शमिता अपनी ब्राइडल और स्टेटमेंट पीस के लिए विशेष रूप से जानी जाती हैं। मेहरुनिसा के एग्जिबिशन पिछले 30 वर्षों से भारत के विभिन्न शहरों और विदेशों में आयोजित किये जाते रहे हैं। यह ब्रांड पोल्की और डायमंड फाइन ज्वेलरी के लिए प्रसिद्ध है, जो शाही शिल्पकला और टाइमलेस क्लासिक डिजाइनों को आधुनिक रूप देता है। शमिता शर्मा अपनी क्रिएटिविटी और हेरिटेज को दोबारा प्रचलित करने के लिए जानी जाती हैं। शमिता शर्मा ने बताया कि मेहरुनिसा में हर गहना सिर्फ आभूषण नहीं, बल्कि एक विरासत है। मेरी कोशिश है कि हमारी पुरानी कला जिंदा रहे और आज की महिलाओं के लिए भी उतनी ही खास बने। इस प्रदर्शनी में दुल्हन के लिए खास पोल्की ज्वेलरी, एंटीक गोल्ड और जड़ाऊ कलेक्शन के साथ–साथ डायमंड और स्टेटमेंट पीसेज भी देखने को मिलेंगे। इसके अलावा रोजमर्रा की जिंदगी में पहने जा सकने वाले हल्के लेकिन खूबसूरत गहनों की भी अच्छी रेंज मौजूद होगी। प्रदर्शनी में शादी–ब्याह के गहनों से लेकर त्योहारों और मॉडर्न लुक के लिए डिजाइन किए गए पीसेज का भी खास कलेक्शन है। खास बात यह है कि यहां आने वाले मेहमानों को डिजाइनर शमिता शर्मा से सीधे बातचीत और स्टाइलिंग सलाह लेने का मौका भी मिलेगा। मेहरुनिसा की खासियत पारंपरिक कारीगरी को आगे बढ़ाना है। जड़ाऊ, पोल्की और हाथ से की गई बारीक नक्काशी को फिर से जीवित करने के साथ–साथ नए कारीगरों को भी इन तकनीकों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। हर गहना हॉलमार्क्ड गोल्ड और प्रमाणित स्टोन्स से तैयार किया गया है।

अमर रसोई गैस बीकापुर पर इतनी भीड़ उपभोक्ताओं की क्यों लग रही बना यक्ष प्रश्न

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।बीकापुर में संचालित की जा रही अमर रसोई गैस अपने जिम्मेदारियां का निर्वाहन ठीक तरीके से नहीं कर रही है। भारत गैस एजेंसी के उपभोक्ता घंटों लाइनों में खड़े होकर अपनी बारी की प्रतीक्षा करते रहते हैं। पूछताछ काउंटर पर कोई कर्मचारी ना तो बैठतै है, और ना ही कुछ बताने के लिए तैयार है। और ना ही उनके पास कोई पूछताछ काउंटर है। सही चीज क्या है, यह उपभोक्ताओं से छुपाई जा रही है। यूपी के सीएम का आदेश है कि जितने भी गैस कनेक्शन धारी है उनको गैस लेने अब केंद्र पर नहीं आना पड़ेगा गैस एजेंसी के प्रबंधक उनको घर पर गैस पहुंचाएंगे। उपभोक्ता यही सोचकर टकटकी लगाए देखता रहता है कि, हे भगवान कब तक गाड़ी आयेगी लेकिन देखते–देखते शाम हो जाती है । और कोई गाड़ी नहीं आती । यदि ऐसा होता तो लोग जो वीडियो में दिख रहे हैं इतनी भीड़ क्यों लगाते। यहां पर तो सरेआम यूपी के मुख्यमंत्री के आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। अमर गैस रसोई के प्रबंधक इन दिनों अनुपस्थित चल रहे हैं। उनकी अनुपस्थिति में चार्ज किसको दिया गया है ।इसको बताने वाला यहां पर कोई नहीं है। लोगों को गुमराह किया जा रहा है। यहां तक मोबाइल पर अपने आप मैसेज आ जाता है कि आपकी डिलीवरी हो गई । जबकि उस उपभोक्ता को अभी तक गैस मिला ही नहीं। नोटिस बोर्ड पर सूचना के माध्यम से गैस उपभोक्ताओं को सूचना दी गई है की इस सप्ताह में फला फला दिन गांव–गांव जाकर लोगों के घर पर गैस पहुंचाई जाएगी तो वीडियो में आप देख रहे हो अगर सब कुछ आल इज वेल है । तो भारत गैस एजेंसी बीकापुर पर लोग भीड़ क्यों लगा रहे हैं। वीडियो के माध्यम से आप देख सकते हो जिस काउंटर पर उपभोक्ता लाइन में खड़े होकर अपनी ओटीपी आने का इंतजार कर रहे हैं ना तो उस जगह पर पानी पीने की व्यवस्था है। और ना ही उनके सर पर छत है। इतनी तेज धूप में लोग घंटो लाइनों में खड़े होने को विवश हैं। एक बात और इनके यहां एक खिड़की पीछे दरवाजे से है जहां पर जुगाड़ों और पकडदार किस्म के लोग जाते हैं। और इशारों इशारों में बात करके अपना काम करके चले जाते हैं। जो लाइन में लगा है लग रहे उनको उनसे कोई मतलब नहीं। अमर रसोई गैस बोर्ड पर दिए गए नंबर पर जब गैस कनेक्शन के उपभोक्ता फोन करते हैं। तो घंटी तो बजती है लेकिन फोन रिसीव नहीं होता। और सूत्रों की माने तो बोर्ड पर दिए गए नंबर पर उन्हीं लोगों का फोन रिसीव किया जाता है जो उनकी टच में है। और उनको आना भी नहीं पड़ता है। अमर रसोई गैस एजेंसी पर वीडियो के माध्यम से दिख रही भीड़ के अनुसार अनुमान यही लगाया जा रहा है कि यहां पर उपभोक्ताओं की संख्या ज्यादा है ।

नारी शक्ति वंदन एवं विधानसभा सम्मेलन संपन्न

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज परिसर स्थित ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन एवं विधानसभा सम्मेलन का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वर्तमान सांसद लल्लू सिंह एवं विशिष्ट अतिथि मिल्कीपुर विधायक चंद्रभान पासवान रहे।शुक्रवार को ऑडिटोरियम हाल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य नरेंद्र देव की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ हुआ। कार्यक्रम में मौजूद नारी शक्तियों का सम्मान उन्हें अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि महिलाओंको 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाए जाने का काम पूर्व प्रधानमंत्री पंडित स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के जमाने से शुरू हुआ था और पंचायत स्तर पर लागू भी हो गया था। किंतु उसे विधानसभा और लोकसभा स्तर पर लागू किए जाने के लिए नरेंद्र मोदी लगातार प्रयासरत थे, जिनकी अपार मेहनत और कोशिशों के बाद महिला आरक्षण बिल आज अथवा कल में सदन में पास हो जाएगा। उन्होंने कहा किभगवान से लेकर आम जन के उत्थान में नारी शक्ति का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। मां के समर्पण के एवं त्याग के चलते ही तमाम धर्म युद्ध जीते गए हैं। देश में नारी का स्थान सदैव हो रहा है।लोकतंत्र लागू होने एवं भाजपा सरकार बनने के बाद लगातार प्रयास हुए और आज वह महिला आरक्षण बिल लागू होने जा रहा है। निर्माण व संयोजन का काम केवल महिलाओं का है।उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी मातृ शक्तियों को आगाह करते हुए कहा कि अधिकार के साथ–साथ त्याग एवं समर्पण का भाव भी आप सब में बना रहे। उन्होंने सभागार में मौजूद महिलाओं को बधाई भी दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक चंद्रभानु पासवान ने कहा कि नारी शक्ति को सर्वशक्ति का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने नारी को सृजन की आधार शिला बताया। उन्होंने कहा कि आज की नारी आत्मनिर्भर बन रही है। असली वंदन तभी होगा जब समाज में बदलाव आए। महिलाओं को अवसर मिलने पर समाज व देश जरूर आगे बढ़ेगा। उन्होंने मोदी सरकार को भी धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि महाविद्यालय की अध्यक्षता डॉ प्रतिभा सिंह ने कार्यक्रम में मौजूद सभी महिलाओं एवं अतिथियों का विश्वविद्यालय की ओर से स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि आज की नारी ने अपनी क्षमता सिद्ध करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों को जानना होगा और किसी पर आश्रित नहीं होना चाहिए। अपनी बेटी बेटों को शिक्षित करें। जब एक महिला घर में शिक्षित होती है तो वह घर गांव और समाज सहित प्रदेश और देश को शिक्षित एवं सही दिशा देने में अपना अभूतपूर्व योगदान देती है। कार्यक्रम को भाजपा महिला मोर्चा सरोज मिश्रा, सविता सिंह, सुमन पासवान सहित कई भाजपा महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारी एवं महिलाओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में जिला पंचायत सदस्य कंचन पासवान ने सभागार में मौजूद महिलाओं एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से ब्लॉक प्रमुख अमानीगंज श्रीदेवी, शांति पासी, ममता सिंह, शीला गोस्वामी, भारती कौशल, एकता तिवारी, अनीता रावत, आशा चौहान, पूनम सिंह, नेहा पाठक, श्रीमती भानु मिश्रा एवं मंजू पासी सहित दर्जनों महिलाएं मौजूद रहीं।

'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के लिये 30 मई तक करे आवेदन–सुष्मिता सिंह'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी सुष्मिता सिंह ने बताया है, कि मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत जनपद को वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु 10 इकाईयाँ पूँजी निवेश 50.00 लाख एवं 200 रोजगार का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2026–27 में उ0प्र0 शासन द्वारा अधिक से अधिक लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु शिक्षित बेरोजगारों पालिटेक्निकध आई०टी०आई० पास तकनीकी रूप से प्रशिक्षण प्राप्त एवं परम्परागत कारीगरों तथा व्यवसायिक शिक्षा (10–12) के अन्तर्गत ग्रामोद्योग विषय लेकर उत्तीर्ण छात्रध्छात्राओं जिनकी आयु 18 वर्ष से कम तथा 50 वर्ष से अधिक न हो ऐसे इच्छुक नवयुवकध नवयुवतियों से मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के ई–पोर्टल उउहतलींकप.नचेकब.हवअ.पद पर 30 मई, 2026 तक आवेदन आमंत्रित किये जाते है। इस योजना के अन्तर्गत रू०–10.00 लाख तक के प्रोजेक्ट अनुमन्य है। जिनमें सामान्य जाति के पुरुष लाभार्थियों को प्रोजेक्ट कास्ट का 10 प्रतिशत अंशदान तथा टर्मलोन (पूँजीगत ऋण) पर 4 प्रतिशत ब्याज उद्यमी द्वारा शेष ब्याज उपादान टर्मलोन पर शासन द्वारा इकाई कार्यरत होने के दशा में उपलब्ध कराया जायेगा, इसके अतिरिक्त अन्य सभी वर्गों एवं सभी वर्ग की महिलाओं को प्रोजेक्ट कास्ट का 5 प्रतिशत अंशदान तथा (पूँजीगत ऋण) पर समस्त व्याज उपादान शासन द्वारा इकाई कार्यरत होने की दशा में बैंक के द्वारा त्ळै के माध्यम से किया जायेगा। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के ई–पोर्टल पर अपना फोटो, शैक्षित योग्यता, आधार कार्ड, जाति प्रमाण–पत्र, ग्राम प्रधान द्वारा सत्यापित कार्यस्थल की प्रमाणित प्रमाण–पत्र एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट बेवसाइड पर अपलोड कर सकते है। अधिक जानकारी के लिये जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, हरदोई किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क करें।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'नारी शक्ति वंदन' का सजीव प्रसारण, छात्राओं ने रंगोली व पदयात्रा से जताया समर्थन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुक्रवार को 'नारी शक्ति वंदन' से जुड़े संसदीय सत्र का सजीव प्रसारण सामूहिक रूप से देखा गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महिलाओं के सशक्त नेतृत्व और राजनीतिक भागीदारी के समर्थन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान सभागार में गंभीरता, जागरूकता और उत्साह का माहौल देखने को मिला। उपस्थित सभी लोगों ने इस ऐतिहासिक पहल को भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया और समाज में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कुलसचिव केशलाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, कार्यक्रम संयोजक डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव सहित प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. रामांशु प्रभाकर सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल एवं अन्य शिक्षकगण और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इसके पश्चात रज्जू भैया संस्थान में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने 'नारी शक्ति वंदन' के समर्थन में आकर्षक रंगोलियां बनाईं। प्रतियोगिता में विभिन्न समूहों के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में प्रो. प्रमोद यादव और प्रो. मिथिलेश सिंह शामिल रहे। वहीं, गुरुवार की देर शाम विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास की छात्राओं ने एडिशनल चीफ वार्डन डॉ. अन्नू त्यागी के नेतृत्व में 'नारी शक्ति वंदन' के समर्थन में विशाल पदयात्रा निकाली। इस पदयात्रा में सभी छात्रावासों की छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

बजरंग दल का बड़ा प्रदर्शन जिहादी मानसिकता, अवैध कब्जों के खिलाफ राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) बजरंग दल के नेतृत्व में शुक्रवार की शाम 5 बजे एक विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शन देश में बढ़ती शविकृत जिहादी मानसिकताश, अवैध कब्जों और सुनियोजित षड्यंत्रों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर पॉलिटेक्निक चौराहा, कृषि भवन के निकट से शुरू हुआ। यह बाजिदपुर तिराहा और जेसीज चौराहा होते हुए कलेक्ट्रेट में एक सभा के रूप में समाप्त हुआ। प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को सौपा। बजरंग दल के जिला मिलन केंद्र प्रमुख आशुतोष सिंह ने इस अवसर पर कहा कि देश के सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न करने वाली शजिहादी मानसिकताश अब राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और सद्भाव के लिए एक बड़ा खतरा बन गई है। उन्होंने इस मानसिकता के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। जिला संयोजक समर बहादुर सिंह ने कहा कि हाल ही में सामने आए कुछ प्रकरणों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि नासिक में टीसीएस (ज्ै) जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के आसपास उजागर हुए मामले यह दर्शाते हैं कि श्लव जिहादश का जाल अब सुशिक्षित समाज और व्यावसायिक क्षेत्रों तक फैल चुका है। अमरावती में मोहम्मद अयाज नामक व्यक्ति द्वारा 180 नाबालिग हिंदू लड़कियों का कथित तौर पर शोषण कर अश्लील वीडियो बनाने और ब्लैकमेल करने का गंभीर मामला भी सामने आया है। बजरंग दल ने आरोप लगाया कि देशभर में जिहादियों द्वारा हिंदू लड़कियों का शारीरिक शोषण, ब्लैकमेल और जबरन धर्मांतरण की अनेक घटनाएं सामने आ रही हैं। ये कृत्य समाज में अशांति और असुरक्षा का माहौल पैदा कर रहे हैं। संगठन ने देश के विभिन्न नगरों में वन भूमि, सार्वजनिक भूमि, रेल विभाग और सेना की सुरक्षित भूमि पर सुनियोजित तरीके से किए जा रहे अवैध कब्जों पर भी चिंता व्यक्त की। बजरंग दल ने इसे सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक चुनौती बताया। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अल्पसंख्यक हिंदू परिवारों और जनजाति समाज की अवयस्क बालिकाओं का शारीरिक व मानसिक शोषण कर उन्हें पलायन के लिए विवश किया जा रहा है। बजरंग दल ने मांग की कि ऐसी राष्ट्र विरोधी और आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध त्वरित एवं कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संगठन ने श्लव जिहादश और जबरन धर्मांतरण जैसे कृत्यों को रोकने हेतु एक कठोर केंद्रीय कानून लागू करने की भी मांग की। बजरंग दल ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रशासन से इन असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने का आग्रह किया, ताकि देश में शांति और सद्भाव बना रहे।कार्यक्रम में संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे, जिनमें उदयराज सिंह, समर बहादुर सिंह, लालमणि पांडेय, सूरज, अनिल कौशल, सत्येंद्र सिंह, सुनील मौर्य, महेंद्र सिंह, गणेश मोदनवाल, शिवम अग्रहरी, आनंद उपाध्याय, दीपक श्रीवास्तव, राहुल बाबा, कुबेर कुशवाहा, विशाल मोदनवाल, अवनीश मौर्य और शनि मौर्य समेत लोग मौजूद रहे।

अब तक 1.05 लाख बच्चे के हुए प्रवेश, निजी स्कूलों में दाखिले का एक सप्ताह और मिलेगा मौका

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत नए सत्र में 1.95 लाख के सापेक्ष अब तक 1.05 लाख प्रवेश हुए हैं। बचे हुए लगभग 90 हजार बच्चों के प्रवेश के लिए एक सप्ताह का समय बेसिक शिक्षा विभाग ने और बढ़ा दिया है। इसके तहत अभियान चलाकर जिलों में प्रवेश कराया जाएगा। इस बार तीन चरणों में ही आवेदन लिए गए और अप्रैल से पहले प्रक्रिया पूरी कर ली गई। समग्र शिक्षा के उप निदेशक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि सभी बीएसए को निर्देश दिया गया है कि वे बचे हुए बच्चों को प्रवेश दिलाएं। सभी जिलों से हर दिन गूगल शीट से प्रवेश पाने वाले बच्चों की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजनी होगी। जिनका प्रवेश नहीं हो रहा है, उसका कारण भी बताना होगा। जो स्कूल प्रवेश नहीं ले रहे हैं, उन्हें नोटिस जारी की जाए। होमगार्ड स्वयंसेवकों के 41424 पदों पर भर्ती के लिए आगामी 25 से 27 अप्रैल तक होने वाली लिखित परीक्षा की उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड फूलप्रूफ तैयारी कर रहा है। बोर्ड 23 अप्रैल को परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा के लिए रिहर्सल करेगा। इस दौरान कोषागारों से परीक्षा केंद्रों तक प्रश्न पत्र सुरक्षित तरीके से पहुंचाने की ड्रिल भी होगी। बोर्ड के अध्यक्ष एसबी शिरडकर ने बताया कि परीक्षा के आयोजन से पहले 18 अप्रैल को यूपी 112 मुख्यालय में सभी नोडल अधिकारियों, पर्यवेक्षकों आदि की बैठक होगी,।

संक्षिप्त खबरें

चालक को आई झपकी, ट्रेलर घर में घुसा, दो लोग घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। फुलवरिया बाईपास पर बुधवार शाम करीब पांच बजे अनियंत्रित ट्रेलर सफाई कर्मचारी सुरेश कुमार के घर में जा घुसा। चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि मकान का बरामदा ढह गया और घर में मौजूद सुरेश कुमार (45) गंभीर रूप से जख्मी हो गया। शोर सुनकर मौके पर ग्रामीण और पुलिसकर्मी जमा हो गए। उन्होंने ट्रेलर के केबिन में फंसे चालक अलीम (35) को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेलर बनी सड़क की ओर जा रहा था। हादसे के वक्त घर में मौजूद सुरेश लहूलुहान हो गए। घटना के दौरान घर में मौजूद अन्य 16 सदस्य बच गए। इंस्पेक्टर ने कहा कि हादसे की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। सुरेश के मकान में उनके तीन सगे भाई पप्पू और राजू के परिवार भी रहते हैं। घटना के समय परिवार के कई सदस्य घर में मौजूद थे। सोना ने बताया कि अचानक तेज आवाज के साथ घर की दीवारें हिल गईं। सभी लोग जान बचाकर पीछे के दरवाजे से बाहर भागे। हादसे के बाद लगभग दो घंटे तक बाईपास पर आवागमन ठप रहा।

पर्यटन स्ल के सौन्दर्यीकरण व विकास के लिए 10.19 करोड़ रुपये स्वीकृत

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न मंडलों के अंतर्गत आने वाले जनपदों में पर्यटन स्थलों के सौन्दर्यीकरण, नवनिर्माण एवं जीर्णोद्धार के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य योजना के अंतर्गत कई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। अनुमानित लागत का आकलन करते हुए स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रथम किस्त जारी कर दी गई है, जिससे विकास कार्यों को शीघ्र गति मिल सकेगी।यह जानकारी देते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अयोध्या मंडल के अंतर्गत आने वाली विभिन्न विधानसभाओं के लिए प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति जारी कर प्रथम किस्त की धनराशि उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि आलापुर क्षेत्र के संत बाबा गोविन्द साहब की तपोभूमि अहिरौली के पर्यटन विकास के लिए 60 लाख रुपये, कटहरी विधानसभा के भीटी स्थित काली मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 62 लाख रुपये तथा अकबरपुर चौतीपारा में ग्रामीण पर्यटन विकास के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि अकबरपुर के लोरपुर में स्थित महाराजा सुहेलदेव राजभर वंशीय अष्टखम्भा स्तूप के पर्यटन विकास के लिए 78 लाख रुपये तथा अकबरपुर के ही अम्बेडकरनगर स्थित श्रवण क्षेत्र के विकास के लिए 262 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त टांडा विकासखंड बसखारी में फलाहारी महाराज एवं अंगीरा मुनि के आश्रम के पर्यटन विकास हेतु 75 लाख रुपये तथा जलालपुर स्थित बाबा झारखण्ड स्थल के विकास के लिए 75 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।इसी प्रकार अमेठी जनपद के विधानसभा क्षेत्र जगदीशपुर स्थित महावीर मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 75 लाख रुपये, तिलोई क्षेत्र के कुटीसेवापुर स्थल के विकास हेतु 95 लाख रुपये तथा गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र के मुसाफिरखाना में बाबा महावीरदास मंदिर के विकास के लिए 58 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

पूर्व सैनिक कल्याण निगम की सुरक्षा सेवाओं पर बढ़ा भरोसा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम द्वारा प्रदान की जा रही सुरक्षा सेवाओं से संतुष्ट होकर राज्य के विभिन्न विभागों ने वित्तीय वर्ष 2026–2027 के लिए अपने अनुबंधों का नवीनीकरण कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार निगम की सेवाएं संतोषजनक पाए जाने के कारण यह निर्णय लिया गया है, जबकि अन्य विभागों में भी इसी प्रकार की कार्रवाई प्रक्रिया में है।निगम के प्रबंध निदेशक मेजर जनरल शरद बिक्रम सिंह (रिटायर्ड) ने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार तथा प्रदेश प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा निगम पर जताया गया विश्वास पूर्व सैनिकों के समर्पण और अनुशासन का प्रमाण है।अनुबंध नवीनीकरण कराने वाले प्रमुख विभागों में उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड तथा उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन लिमिटेड शामिल हैं।नवीनीकृत अनुबंध 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी कर दिए गए हैं। निगम के प्रबंध निदेशक ने कहा कि भविष्य में भी सुरक्षा सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक विभाग निगम की सेवाओं का लाभ उठा सकें।

कन्या विवाह सहायता योजना के तहत 187 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, लखनऊ द्वारा निर्माण श्रमिकों के हितार्थ संचालित कन्या विवाह सहायता योजना के अंतर्गत लखनऊ मंडल का सामूहिक विवाह कार्यक्रम अवध शिल्प ग्राम वृन्दावन, सेक्टर–09, शहीद पथ, लखनऊ में आयोजित किया गया। इस अवसर पर लखनऊ मंडल के जनपद लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, रायबरेली एवं हरदोई के कुल 187 जोड़ों, जिनमें 176 हिन्दू एवं 11 मुस्लिम जोड़े शामिल थे, का विधिवत सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर द्वारा की गई। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए सभी आगंतुकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मंत्री अनिल राजभर ने अपने संबोधन में निर्माण श्रमिकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि कन्या विवाह सहायता योजना श्रमिक परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक संबल प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए पुष्प वर्षा भी की।कार्यक्रम को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान करते हुए अंबेडकर नगर के कलाकारों द्वारा विवाह गीत प्रस्तुत किए गए, जिसने आयोजन को पारंपरिक और भावनात्मक वातावरण से सराबोर कर दिया। उपस्थित लोगों ने इन प्रस्तुतियों की सराहना की।कार्यक्रम में सरोजनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह की प्रतिनिधि भी उपस्थित रहीं, जिन्होंने लखनऊ के नवविवाहित जोड़ों को वर–वधु के लिए वस्त्र एवं 501 रुपये उपहार स्वरूप प्रदान किए। इस अवसर पर बोर्ड की सचिव पूजा यादव ने कहा कि बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं का उद्देश्य निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।

कोतवाली अयोध्या पुलिस ने तीन अंतर्जनपदीय अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के निर्देश पर तथा सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में लूट हत्या चोरी डकैती सहित अन्य आपराधिक रोकथाम के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है इसी अभियान के तहत कोतवाली अयोध्या पुलिस ने तीन अंतर्जनपदीय अभियुक्त को गिरफ्तार किया।इस संबंध ा में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध या पंकज सिंह ने बताया सीओ अयोध या आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में यह अभियान चलाया जा रहा था कि इसी दौरान तीन आरोपियों को फटिक शिला रेलवे ओवर ब्रिज से कोतवाली अयोध्या पुलिस ने गिरफ्तार किया जिनकी पहचान आकाश गुप्ता पुत्र राम बहादुर गुप्ता निवासी ग्राम मिश्र का धनौटी थाना तरकुलवा जनपद देवरिया,मुकेश कुमार सिंह पुत्र राजाराम सिंह निवासी ग्राम मधईपुर थाना बनकटा जनपद देवरिया व. नितिन मौर्या पुत्र दिलीप मौर्या निवासी ग्राम नसीमापुर थाना बदोसराय जनपद बाराबंकी के रूप में हुई। इन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में पंकज कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली अयोध या के अलावा.उ.नि. प्रवीन मिश्र थाना कोतवाली अयोध्या,उ.नि. आशीष सिंह थाना कोतवाली अयोध्या,उ.नि. पवन कुमार थाना कोतवाली अयोध्या सहित अन्य पुलिस कर्मियों की सलाहनीय भूमिका रही।

बीएसए द्वारा किये गये विद्यालयों के निरीक्षण मे मिली खामियां,संबंधित शिक्षकों से मांगे स्पष्टीकरण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। गुरुवार को शिक्षा व्यवस्था तथा एमडीएम की जमीनी हकीकत जानने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चंद्र ने शुक्रवार को कई विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया इस दौरान कुछ विद्यालय पर वह शिक्षक बनकर बच्चों से प्रश्न भी पूछे इस दौरान पूछे गए उनके प्रश्नों का सही जवाब देने वाले बच्चों को उन्होंने प्रशंसा किया। गुरुवार को बीएसए लाल चंद्र ने कम्पोजिट विद्यालय तिन्दौली, अमानीगंज विद्यालय का प्रातः 10.10 बजे निरीक्षण किया।विद्यालय में 136 नामांकन के सापेक्ष कुल 36 बच्चे उपस्थित पाये गये।इस मौके पर विद्यालय में एम०डी०एम० के अन्तर्गत भोजन व्यवस्था में तहरी बन रहा था।विद्यालय में इं०प्र०अ० सहित 06 स०अ० एवं 02 शिक्षामित्र कार्यरत है।पूछने पर पता चला कि नमिता पाण्डेय बाल्य देखभाल अवकाश पर थी, शेष स्टाफ उपस्थित था।निरीक्षण के समय इं०प्र०अ० दीनानाथ शुक्ल कक्षा के बाहर बैठकर राघवेन्द्र तिवारी, स०अ० से बात करते पाये गये, जबकि बच्चे कक्षा में बैठे थे। विद्यालय में शौचालय अक्रियाशील व गन्दा पाया गया। विद्यालय में हैण्डवाशिंग यूनिट अक्रियाशील पायी गयी। विद्यालय की रंगाई–पुताई अद्यावधि नहीं करायी गयी है। विद्यालय के प्राथमिक स्तर में स्थापित 03 स्मार्ट क्लास में से मात्र एक स्मार्टक्लास संचालित पाया गया।कम्पोजिट ग्राण्ट के उपभोग की संतोषजनक जानकारी इं०प्र०अ० नहीं दे पाये।विद्यालय में समय–सारणी व शिक्षकों का कार्य विभाजन विद्यालय के प्र०अ० के स्तर से नहीं किया गया है। विद्यालय में नामांकन के सापेक्ष छात्रों की उपस्थिति अतिन्यून पायी गयी।निरीक्षण के दौरान की गयी समीक्षा में पाया गया कि विद्यालय इं०प्र०अ० व अन्य स्टाफ द्वारा नवीन नामांकन एवं छात्रों की उपस्थिति हेतु कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा है।निरीक्षण के समय विद्यालय में पायी गयी अनियमितताओं ध कमियों का सुधारधनिराकरण कराये जाने हेतु संबंधित प्र०अ०ध इं०प्र०अ० को निर्देशित किया जाता है,साथ ही विद्यालय के इं०प्र०अ० को निर्देशित किया गया कि शिक्षण अवधि में अन्य शिक्षक के साथ बैठकर बात कर अपने दायित्वों के सम्यक निर्वहन करने में असफल होने एवं विद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं के संबंध में एक सप्ताह के अन्दर साक्ष्यमय स्पष्टीकरण उपलब्ध कराये।संबंधित शिक्षक द्वारा समयान्तर्गत स्पष्टीकरण उपलब्ध न कराने अथवा समुचित साक्ष्यमय स्पष्टीकरण न होने पर संबंधित के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही कर दी जायेगी।उन्होंने प्राथमिक विद्यालय कटघरा, अमानीगंज विद्यालय का शुक्रवार को प्रातः 10.40 बजे निरीक्षण किया गया। विद्यालय में 30 नामांकन के सापेक्ष कुल 10 बच्चे उपस्थित पाये गये, किन्तु आर०टी०ई० मानकानुसार विद्यालय में नामांकन अतिन्यून पाया गया, इसमें न्यूनतम 50 नवीन नामांकन कराये जाने के निर्देश दिये गये। विद्यालय में शौचालय एवं हैण्डवाशिंग यूनिट अक्रियाशील व गन्दी पायी गयी। विद्यालय की रंगाई–पुताई अद्यावधि नहीं करायी गयी है। विद्यालय में समय–सारणी व शिक्षकों का कार्य विभाजन विद्यालय के प्र०अ० के स्तर से नहीं किया गया है। विद्यालय में 05 स्टाफ के तैनात होने के बावजूद 03 कक्षाओं में ही बच्चों को बैठाया गया था। निरीक्षण के दौरान की गयी समीक्षा में पाया गया कि विद्यालय इं०प्र०अ० व अन्य स्टाफ द्वारा नवीन नामांकन एवं छात्रों की उपस्थिति हेतु कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा है। विद्यालय में इं०प्र०अ० सहित 02 स०अ० व 03 शिक्षामित्र तैनात है, इसमें से आशा देवी शिक्षामित्र उपस्थित पंजिका में हस्ताक्षर अंकित कर शिक्षण अवधि में बिना किसी सूचनाध्अनुमति के विद्यालय से अनुपस्थित पायी गयी।सम्बन्धित शिक्षामित्र का शिक्षण अवधि में बिना किसी सूचनाध्अनुमति के अपने विद्यालय से अनुपस्थित पाया जाना, उनकी अनुशासनहीनता, उच्चाधिकारियों के आदेशों ध निर्देशों की अवहेलना तथा सौपें गये कार्यों एवं दायित्वों के निर्वहन में की गयी घोर लापरवाही के दृष्टिगत उनका उक्तवत अनुपस्थित दिवस (01दिवस)

का मानदेय अवरुद्ध करते हुए संबंधित को निर्देशित किया जाता है कि बिना सूचनाध्अनुमति के अनुपस्थित रहने के संबंध में एक सप्ताह के अन्दर साक्ष्यमय स्पष्टीकरण उपलब्ध कराये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि भविष्य में उनके द्वारा विद्यालय में निर्धारित समयावधि में उपस्थित होकर अपने दायित्यों का निर्वहन किया जाय।निरीक्षण के समय विद्यालय में पायी गयी अनियमितताओंध्कमियों का सुधारध निराकरण कराये जाने हेतु संबंधित प्र०अ० ध इं०प्र०अ० को निर्देशित किया जाता है, साथ ही यह भी निर्देशित किया जाता है कि विद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं के संबंध में एक सप्ताह के अन्दर साक्ष्यमय स्पष्टीकरण उपलब्ध कराये। संबंधित शिक्षक द्वारा समयान्तर्गत स्पष्टीकरण उपलब्ध न कराने अथवा समुचित साक्ष्यमय स्पष्टीकरण न होने पर संबंधित के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही कर दी जायेगी, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित शिक्षक का होगा। उच्च प्राथमिक विद्यालय कटघरा, अमानीगंज विद्यालय का शुक्रवार को प्रातः 11.10 बजे निरीक्षण किया। विद्यालय में 27 नामांकन के सापेक्ष कुल 10 बच्चे उपस्थित पाये गये।विद्यालय में एम०डी०एम० के अन्तर्गत भोजन व्यवस्था में तहरी बना था। विद्यालय में 02 स०अ० (इंचार्ज सहित) तैनात है निरीक्षण के समय दोनों लोग शिक्षण कार्य करते हुए पाये गये। विद्यालय का शौचालय गन्दा भी पाया गया। जिस पर कार्य करवा कार्यवाही करने की बात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लालचंद द्वारा कही।

नगर की सरकार आपके द्वार अभियान के तहत महापौर ने किया निरीक्षण एवं जनसंवाद

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शहर के मध्य स्थित ऋषि टोला से सब्जी मंडी जाने वाला नाला बरसात के पहले पूरी तरह से साफ होगा और जरूरत के मुताबिक जगह–जगह गहराई भी बढ़ाई जाएगी, ताकि जल निकासी में किसी प्रकार की समस्या न आए। इसके लिए विभिन्न जगह पर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया जाएगा। यह निर्देश महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने श्नगर की सरकार आपके द्वारश अभियान के तहत निरीक्षण के दौरान दिया। उनके साथ नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार भी थे। सुबह के 7:00 बजे महापौर के ऋषिटोला पहुंचने पर पार्षद अनिल सिंह ने अगवानी की। यहां से शुरू हुए निरीक्षण में पार्षद हरिश्चंद्र अग्रहरि एवं सपा पार्षद दल के नेता विशाल पाल भी शामिल रहे। महापौर ने जलभराव खघ्त्म करने के मद्देनजर नाले की ऊंचाई बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की। उन्होंने नगर आयुक्त से स्टीमेट तैयार कर प्रस्ताव शासन को भिजवाने का निर्देश दिया। यहां लोगों ने बताया कि नाले की गहराई कम होने के कारण जल भराव की स्थिति बनी रहती है। कई जगह पर लोगों ने नाले पर आक्रमण कर रखा है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नाले पर रखी गई पटिया वाहनों के

आवागमन के दबाव के कारण टूट गई है। नगर आयुक्त ने लोगों को टूटी हुई पटिया बदलवाने का भरोसा दिया। उन्होंने नाले के किनारे सफाई कर रखा गया कचरा तत्काल हटवाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जगह एंटी लार्वा का छिड़काव चल रहा था और सफाई भी हो रही थी। कई स्थानों पर नागरिकों ने जल भराव की शिकायत की। बताया कि बारिश के दौरान बच्चों को स्कूल जाने और लोगों को अपने काम से बाहर जाने में काफी दिक्कत होती है। यहां भी डोर–टू–डोर कूड़ा उठाने वाले कर्मचारियों की शिकायत स्थानीय नागरिकों ने की, जिस पर महापौर ने कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पुरानी सब्जी मंडी के पहले नाला खुलवाने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण का समापन फतेहगंज चौराहे पर हुआ। यहां स्थानीय लोगों की मांग पर महापौर ने सुंदरीकरण कराने का वादा किया।इस मौके पर निरीक्षण के दौरान रेनू मेमोरियल हॉस्पिटल के पास पेयजल की विशेष जांच कराई गई। यहां टीडीएस 233 पीपीएम पाया गया।पानी में हाइपर क्लोराइड की मात्रा पर्याप्त रही। यहां पीएच मान भी 7.02 पाया गया, जो मानक के अनुरूप था। महापौर ने नगर के विभिन्न स्थानों पर अलग–अलग स्थान पर पेयजल की जांच करने का निर्देश दिया।इस दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ एवं भारत भार्गव, मुख्य कर निधारण अधिकारी गजेंद्र कुमार, सहायक अभियंता निर्माण राजपति यादव, जोनल अधिकारी सुभाष त्रिपाठी समेत विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि शामिल थे।

सूखे फव्वारें,टूटी सड़के व जगह जगह गंदगी खोल रही है नगर निगम द्वारा किए जा रहे विकास के दावे की पोल

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। नगर निगम अयोध या के मेयर महंत गिरीश पति त्रिपाठी यह दावा करते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद से अयोध या का चौहुमुखी विकास नगर निगम अयोध्या द्वारा किया जा रहा है।परंतु उनका यह दावा खोखला ही साबित हो रहा है।इसका जीता जागता उदाहरण अयोध्या नगर निगम के विभिन्न वार्डों में स्थित पार्कों की दयनीय स्थिति, सूखे फव्वारें, विभिन्न वार्डों में स्थित कॉलोनियों तथा मोहल्लों में सीवर पाइपलाइन बिछाने की बाद भी गड्ढों में तब्दील सड़के है।एक तरफ जहां नगर निगम अयोध्या को सजाने संवारने का काम कर रहा है और यह दावा कर रहा है कि बाहर से तथा दूर–दराज से अयोध्या राम मंदिर का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओ तथा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए रामनगरी में मैं चौमुखी विकास किया जा रहा है। परंतु उनके दावे को अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के सामने स्थित गुरु गोविंद सिंह चौक चौराहा व पुष्पराज चौराहे पर स्थित सूखा फौव्वारा झूठी साबित कर रहा है।क्योंकि यहां पर फौव्वारा चलने की तो दूर इसमें पानी तक नहीं है।पानी न होने के चलते इसमे सूखी मिट्टी तथा गंदगी दिखाई दे रही है।देखा जाए जबकि अयोध या राम मंदिर से तथा अन्य जगहों से दर्शन पूजन करने आने वाले और जाने वाले श्रद्धालु तथा पर्यटकों के साथ–साथ अन्य रेलयात्री इधर से ही होकर गुजरते हैं और जिनकी नजर इन दोनों सूखे फव्वारों पर पड़ती है। यह वही वाली बात हुई जब किसी के दरवाजे के सामने ही गंदगी है तो अंदर क्या होगा यह तो पहले ही पता चल जाता है वही दशा इन दोनों परिवारों की है जैसे ही दूर–दराज से आने वाले पर्यटक तथा रेलयात्री अयोध्या धाम की तरफ या शहर की तरफ जाते हैं तो उनका पहले नजर इन दोनों फौव्वारों पर पड़ता है। यही दशा शहर के विभिन्न वार्डों में गंदगी को भी लेकर है

जहां पर स्थानीय लोगों की माने तो कूड़ा उठाने के लिए सफाई कर्मी नियमित रूप से नहीं आते हैं जिसके चलते कई दिनों तक कूड़ा वहीं आसपास रहता है और नालियों आज में जाकर जमा होता है जिसके चलते डेंगू मलेरिया जैसे अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका शहर वीडियो में बनी रहती है वही इस संबंध में अयोध्या नगर निगम के मेयर महंत गिरी स्पीति त्रिपाठी का कहना है की नगर निगम अयोध्या के लिए लगातार विकास कर रहा है और आगे भी करता रहेगा बताया कि अयोध्या आने वाले पद को श्रद्धालुओं को किसी भी तरह के कमी ना हो किसी भी तरह की परेशानी ना उत्पन्न हो इसके लिए वह और उनकी टीम खुद ही आए दिन कोई ना कोई महिम चलते हैं और अयोध्या के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

उ.प्र. के तीन जिलों में एनीमिया और प्रोटीन कुपोषण जागरूकता परियोजना शुरू

परिवार स्वास्थ्य व कल्याण विभाग के साथ मिलकर डैनोन इण्डिया ने की परियोजना की घोषणा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राजधानी लखनऊ सहित तीन जिलों में आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया और प्रोटीन कुपोषण जागरूकता परियोजना शुरू करने की घोषणा की गयी। उत्तर प्रदेश सरकार के परिवार स्वास्थ्य और कल्याण विभाग के साथ मिलकर डैनोन इंडिया द्वारा शुरू की जा रही यह परियोजना दो अन्य जिलों सिद्धार्थनगर व श्रावस्ती में भी लागू की गयी है। यहां परियोजना की घोषणा के दौरान परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश के महानिदेशक डा. एच. डी. अग्रवाल, डैनोन इंडिया के प्रबंधा निदेशक शशि रंजन मौजूद थे। शुरू की जा रही इस परियोजना पहल का उद्देश्य जागरूकता, शुरुआती जांच और सामुदायिक स्तर पर बचाव के उपायों के जरिए बच्चों और समुदायों को प्रभावित करने वाली दो सबसे बड़ी पोषण संबंधी चुनौतियों आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया और प्रोटीन कुपोषण का समाधान करना है। ग्रो वेल फाउंडेशन के सहयोग से लागू की जा रही यह परियोजना शुरुआत में चुने गए जिलों में शुरू होगी, जिसके बाद इसे बड़े स्तर पर ले जाने के लिए एक तय योजना के तहत इसका विस्तार किया जाएगा। डैनोन इंडिया के प्रबंध निदेशक,शशि रंजन ने कहा हम देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं को समर्थन देने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं और हमें भारत सरकार के 'एनीमिया मुक्त भारत'मिशन के साथ मिलकर काम करने पर गर्व है। हम केंद्र और राज्य सरकारों के साथ ऐसी साझेदारियों के लिए प्रतिबद्ध हैं जिनका गहरा और लंबे समय तक असर बना रहे, क्योंकि देश के स्वस्थ भविष्य के निर्माण के लिए बेहतर पोषण सबसे बुनियादी जरूरत

है। समय पर जागरूकता और रोकथाम, बच्चों के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और विकास के परिणामों को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है। इस पहल के जरिए हमारा लक्ष्य वैज्ञानिक विशेषज्ञता, साझेदारी और सामुदायिक भागीदारी को जोड़कर एक सार्थक योगदान देना है। डॉ.एच.डी. अग्रवाल, महानिदेशक, परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश ने कहा आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया और प्रोटीन कुपोषण का समाधान करना हमारे लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य की एक बड़ी प्राथमिकता है, खास तौर पर इसलिए क्योंकि इसका बच्चों के स्वास्थ्य और विकास पर लंबे समय तक असर पड़ता है। यह पहल सामुदायिक स्तर पर शुरुआती पहचान और जागरूकता को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। हम इस तरह की साझेदारियों को बहुत महत्व देते हैं, जहाँ डैनोन इंडिया जैसी संस्थाएं अपनी वैज्ञानिक विशेषज्ञता और जमीनी स्तर पर काम करने की क्षमता के साथ सरकार के प्रयासों में सहयोग करती हैं। इस तरह के सहयोग मिलकर एक स्वस्थ और एनीमिया–मुक्त उत्तर प्रदेश की दिशा में प्रगति को और तेज कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के तहत एक लाख से अधिक बच्चों की नॉन–इनवेसिव एनीमिया जांच (बिना सुई चुभाए की जाने वाली जांच) की जाएगी। इसके साथ ही, 2,000 से अधिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को नॉन–इनवेसिव डिवाइस के जरिए आईडीए (आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया) की जांच करने और स्वस्थ खानपान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। स्कूलों में चलने वाले कार्यक्रमों के जरिए इस पहल के लगभग 2,50,000 छात्रों तक पहुँचने की उम्मीद है। इस पहल के तहत लोगों को जागरूक करने के लिए एक जनहित अभियान एन्थम "इंडिया का आयरन अप करेंगे" भी जारी किया जाएगा। भारत में एनीमिया आज भी लाखों लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में यह पहल समय पर जांच, पोषण के प्रति बेहतर जागरूकता और स्वास्थ्य क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग के महत्व को रेखांकित करती है। डैनोन इंडिया विज्ञान आधारित समाधानों और निरंतर प्रयासों के जरिए भारत के पोषण एजेंडा को समर्थन देने और एक स्वस्थ भविष्य के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

शीघ्र ही अवैध रूप से संचालित सौ से अधिक कोचिंग संस्थानों पर शिक्षा विभाग लगायेगा अंकुश – डीआईओएस

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में सिर्फ एक दर्जन वैधा कोचिंग संस्थान ही पंजीकृत है। जबकि जिले के सभी जगहों पर सैकड़ो कोचिंग संस्थान अवैध रूप से संचालित है। इनमें से कई अवैध रूप से संचालित पाए जाने वाले कोचिंग संस्थानों पर जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जुर्माना भी लगाया गया लेकिन अभी तक अधिकतर कोचिंग संचालक जो की अवैध रूप से हैं उन्होंने जुर्माने की रकम कार्यालय में नहीं जमा किया है।जिसके लिए इन पर अंकुश लगाने के लिए अब शासन सख्त कदम उठा रही है।अब अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों पर अंकुश लगाने के लिए जिला अधिकारी की अध्यक्षता में समित का गठन किया गया है।इस समिति में जिला अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे अध्यक्ष है।वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी इस समिति के सचिव हैं।उनके अलावा इस समिति में सीएमओध अथवा जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ मनोचिकित्सक, जिला कार्यक्रम अधिकारीध, जिला समाज कल्याण अधिकारी, पुलिस विभाग के उच्चाधिकारीध, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, मानसिक स्वास्थ्य के दो सामाजिक विधिवेत्ता(जिनमें से एक महिला हो) राष्ट्रीय टास्क फोर्स हेतु नोडल अधिकारी सदस्य के रूप में नामित किए गए हैं जो अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों पर अंकुश लगायेगे। बताते चलें जिले शहर के विभिन्न मुहल्लों, कालोनियो के अलावा विभिन्न तहसीलों ब्लॉकों पर अवैध रूप से संचालित कोचिंग व शिक्षा संस्थानों द्वारा भोले भाले छात्रों तथा उनके अभिभावकों से शिक्षक के नाम पर भारी भरकम रकम वसूली जा रही है जबकि सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं दिया जा रहा है। बताते चलें शहर के नियांवा, रिकाबगंज,साहबगंज, हैदरगंज, वजीरगंज, देवकाली, देवकाली बायपास, देवकाली तिराहा,नाका,सिविल लाइन शाहिद प्रमुख चौराहों पर काफी संख्या में अवैध रूप से कोचिंग संस्थान संचालित हैं।वहीं ग्रामीण अंचलों में बीकापुर, तारुन, जाना बाजार हैदरगंज रामपुर बागान मिल्कीपुर गोसाईगंज रुदौली सहित अधिकतर चौराहों व बाजारों में अवैध रूप से कोचिंग संस्थान संचालित है जहां पर शिक्षक के नाम पर दिखावा कर भोले भाले छात्रों व उनके परिजनों से भारी भरकम पैसे वसूल रहे हैं।परंतु इस पर संबंधित विभाग रोक लगाने में असफल दिखाई दे रहा है। अब देखना या है डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति के सदस्य इन अवैध कोचिंग संचालकों पर कब तक रोक लगाते है।

एसपी सिटी द्वारा महिला थाना के अर्धवार्षिक निरीक्षण मे सब कुछ मिला ओके

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शुक्रवार को एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने महिला थाना कार्यालय का अर्धवाषिक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्हें सब कुछ ओके मिला।जिस पर उन्होंने महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के साथ–साथ वहाँ पर तैनात अन्य महिला उप निरीक्षकों व पुलिस कर्मियों के कार्यों की सराहना किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला थाना मे जीडी कार्यालय के साथ साथ महिला कारागार,मालखाना,महिला हेल्पडेस्क, सीसीटीएनएस कार्यालय,मिशन शक्ति केंद्र

का निरीक्षण किया।इस मौके पर थाना स्थानीय पर रखे दस्तावेजों का अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के अलावा महिला उप निरीक्षक चेतना पांडे महिला उपनिरीक्षक प्रिया उप निरीक्षक संजीव मिश्रा के अलावा अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।